Class- 2nd year
BEd.

UNIT - I

Protext Page : Date: / /

(Paper-I Assessment of Learning) [1]

I Concept of Measurement, Elements & characteristics
(मापन - तत्व विशेषता)

मापन आंकड़ों को एकत्रित करने से सम्बन्धित है। मापन किसी वस्तु का संख्यात्मक रूप होता है। विद्यार्थी / व्यक्ति की उपलब्धि और उसके विकास को संख्यात्मक रूप से निश्चित करने का कार्य मापन है।

Definitions

ब्रैडले के अनुसार - मापन मूल्यांकन का वह अंग है जो प्रतिशत, मात्रा, अंकों, मध्यमान तथा औसत आदि के द्वारा किया जाता है।

स्टीवेन्स ⇒ मापन किन्हीं निश्चित मान्य नियमों के अनुसार वस्तुओं को अंक प्रदान करने की प्रक्रिया है।"

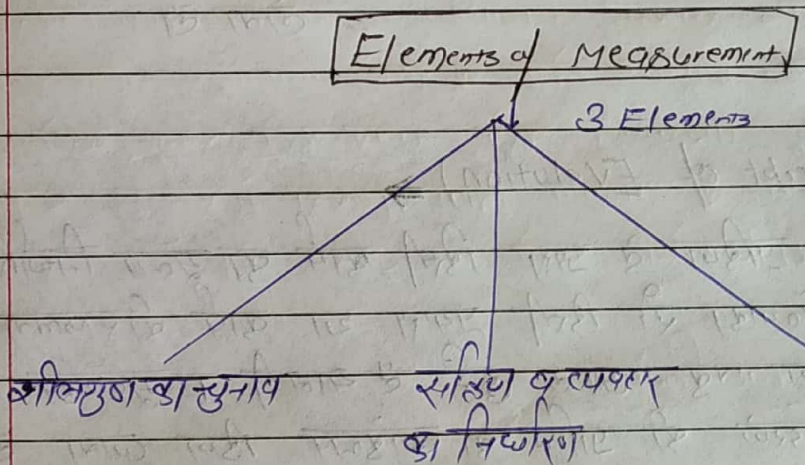

(i) गुण का चुनाव तथा उसे परिभाषित करना ⇒ व्यक्ति में असंख्य गुण होते हैं तथा सभी गुणों का मापन सम्भव नहीं है। इसलिये सबसे पहला वांछित शील गुण का चयन किया जाता है तथा उसे परिभाषित किया जाता है। शील गुण की व्याख्या साफ स्पष्ट होनी चाहिये।

(ii) क्रियाओं तथा व्यवहार को निर्धारित करना - मापन का दूसरा तत्व उन क्रियाओं को निश्चित करना है जिनसे शीलगुण का मापन किया जाता है। शील गुण तथा उन से सम्बन्धित क्रियाओं के बीच में परस्पर सम्बन्ध स्थापित किया जाता है।

(iii) शीलगुणों को मात्रांकित करना ⇒ मापन का तीसरा पहलू उपयुक्त व्यवहार

को चुनकर संख्यात्मक रूप प्रदान करता है। मापन हमें दो चीजे बताता है - कितने तथा कितना

Characteristics of Measurement

1. मापन में अनिश्चित इकाईयां
2. वस्तुनिष्ठ मानक के सापेक्ष
3. सम्पूर्ण गुणों का मापन नहीं
4. प्रत्यक्ष मापन संभव नहीं
5. मापन मूल्यांकन में सहायक
6. मापन का प्रयोग आत्मनिष्ठ होता है

Characteristics

2

(Concept of Evaluation)

मूल्यांकन की प्रक्रिया के द्वारा किसी कार्य का मूल्य निर्धारित किया जाता है। मूल्यांकन से किसी प्रयास या कार्य की सफलता किस सीमा तक प्राप्त हुई है जानते। मूल्यांकन द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति का आंकलन किया जाता है। मूल्यांकन एक व्यापक, व्यवस्थित तथा सोद्देश्य प्रक्रिया है।

Definitions of Evaluation→

डांडेकर - " मूल्यांकन हमें बताता है कि बालक ने किस सीमा तक किन उद्देश्यों को प्राप्त किया है।

क्रोनबैग - मूल्यांकन वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से अध्यापक व विद्यार्थी यह निर्णय लेते है कि शिक्षण-लक्ष्यों की प्राप्ति हो रही है अथवा नहीं।

राइटस्टोन → मूल्यांकन वह नवीन प्राविधिक पद है, जो मापन के व्यापक प्रत्यय को प्रस्तुत करता है।

Scanned with CamScanner

Protext
Page :
Date: / / [3]

(Importance of Evaluation)

(1) शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति की जानकारी प्राप्त करना
(2) बालक की उपलब्धियों की जानकारी हेतु
(3) सीखने के लिये अभिप्रेरणा प्रदान करना
(4) पाठ्यक्रम में संशोधन के लिये।
(5) शिक्षण प्रक्रिया में परिवर्तन व सुधार
(6) कमजोर विषयों की जानकारी हेतु
(7) व्यक्तिगत व व्यावसायिक मार्गदर्शन हेतु
(8) छात्रों के वर्गीकरण हेतु
(9) व्यक्ति के सम्पूर्ण ज्ञान के लिये
(10) स्कूल के वातावरण में सुधार हेतु

Tools of Evaluation

मूल्यांकन उपकरण वे साधन है जो बालक के व्यवहार परिवर्तन का स्पष्ट ज्ञान कराते। शिक्षण कार्य में शिक्षक सदैव यह चाहता है कि वह यह जाँचता रहे कि बालक ने कितना सीखा और कितना नहीं। इसलिये मूल्यांकन महत्वपूर्ण है। और वास्तविक व सही मूल्यांकन करने के लिये विभिन्न उपकरण इस प्रकार है:-

Standardized Device
(प्रमापीकृत)
⇒ मनोवैज्ञानिक परीक्षण
eg ⇒ बुद्धि परीक्षण
⇒ निष्पत्ति परीक्षण
⇒ अभिप्रेरणा परीक्षण
⇒ अभिरुचि, अभिक्षमता परीक्षण
⇒ व्यक्तित्व परीक्षण

Unstandardized Device
(अप्रमापीकृत)
शिक्षक द्वारा निर्मित परीक्षण
eg. - इकाई परीक्षण, सामयिक परीक्षण
नैदानिक परीक्षण, मौखिक परीक्षा
प्रायोगिक परीक्षा
छात्र स्वमूल्यांकन विधियाँ
अन्य उपकरण - समाजमिति, परीक्षण

Page :
Date: / /
[4]

⇒ Case Study
⇒ साक्षात्कार
⇒ पड़ताल सूची
→ निर्धारण क्रम etc

3 आकलन Assessment

आकलन सीखने का एक साधन है। यह अधिगम प्रक्रिया का एक ऐसा अंग है जो किसी भी शिक्षक को यह समझने में सहायता प्रदान करता है कि उसका शिक्षण कार्य किस प्रकार का होना चाहिये। आकलन द्वारा यह जानने का प्रयास किया जाता है कि-

1. छात्र ने क्या सीखा है?
2. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा सीखा गया है?
3. क्रिया को सीखने का तरीका

परिभाषा ⇒ सर्विन ⇒ आकलन विद्यार्थियों के अधिगम तथा विकास के सम्बन्ध में निष्कर्ष लेने के लिये व्यवस्थित आधार है। यह सूचनाओं को परिभाषित करने, चयन करने, संग्रह करने, विश्लेषण करने, विद्यार्थियों के अधिगम तथा विकास में संवर्धन के लिये सूचनाओं का उपयोग करने की प्रक्रिया है।

आकलन की प्रकृति तथा विशेषता ⇒

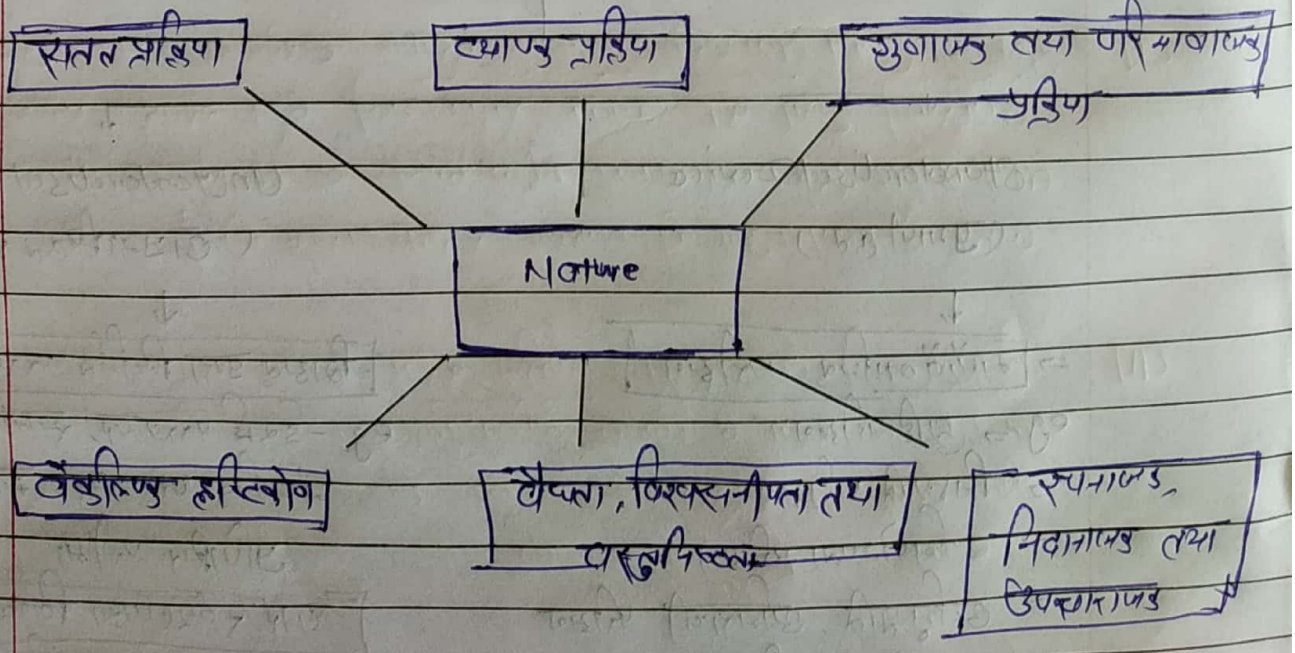

Scanned with CamScanner

(I) सतत प्रक्रिया ⇒ यह प्रक्रिया निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। इसमें विद्यार्थियों के अधिगम सम्बन्धी आँकड़े संग्रहित किये जाते हैं आँकड़ों का विश्लेषण कर विकास की जानकारी प्राप्त की जाती है।

(II) व्यापक प्रक्रिया ⇒ आकलन की प्रक्रिया का स्वरूप व्यापक होती है। आकलन के द्वारा सभी पक्षों जैसे- संज्ञानात्मक, क्रियात्मक एवं भावात्मक सभी का आकलन होता है। यह व्यक्तित्व के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, नैतिक व संवेगात्मक विकास को सम्मिलित करता है।

(III) गुणात्मक तथा परिमाणात्मक प्रक्रिया ⇒ आकलन की प्रक्रिया गुणात्मक व परिमाणात्मक दोनों प्रकार के तथ्यों को आधार मानकर छात्रों के अधिगम का विश्लेषण करती है।

(IV) वैकल्पिक दृष्टिकोण ⇒ आकलन की प्रक्रिया में वैकल्पिक दृष्टिकोण समाहित होता है जिससे मूल्यांकन लचीला बन जाता है। आकलन कई वैकल्पिक युक्तियों तथा उपकरण के उपयोग का अवसर देता है।

(V) वैधता, विश्वसनीयता तथा वस्तुनिष्ठता ⇒ आकलन की प्रक्रिया वैध विश्वसनीय तथा वस्तुनिष्ठ होती है बार २ आकलन का प्रयोग करने पर भी यह प्रक्रिया समान तथ्यों को प्रस्तुत करती है।

(VI) रचनात्मक, निदानात्मक तथा उपचारात्मक प्रक्रिया ⇒ आकलन प्रक्रिया में होते २ समयान्तराल पर आकलन गतिविधियां की जाती हैं जिससे जल्दी ही छात्र अधिगम का Feedback मिल पाता है और समय रहते कमियों का निदानात्मक तथा उपचारात्मक उपाय होता है।

आकलन तथा मूल्यांकन के सिद्धान्त ⇒ आदर्श आकलन तथा मूल्यांकन प्रविधि निम्न सिद्धान्तों पर कार्य करती है

(1) निरन्तरता का सिद्धान्त ←→ (2) विश्वसनीयता का सिद्धान्त

(3) निष्पक्षता का सिद्धान्त ←→ (4) सम्पूर्णता तथा व्यापकता का सिद्धान्त

(5) उपयुक्त साधन तकनीकी का सिद्धान्त ←→ (6) वैधता का सिद्धान्त

(7) रचनात्मकता का सिद्धान्त ←→ (8) निदानात्मकता का सिद्धान्त

(9) निश्चितता का सिद्धान्त ←→ (10) अधिगम अवसरों की समानता का सिद्धान्त

(11) अधिगम उपलब्धि का सिद्धान्त ←→ (12) कार्य को साध्य के स्थान पर साधन मानने का सिद्धान्त